بِسۡمِ اللّٰہِ الرَّحۡمٰنِ الرَّحِیۡمِ نَحۡمَدُہٗ وَنُصَلِّیۡ عَلٰی رَسُوۡلِہِ الۡکَرِیۡمِ وَعَلٰی عَبۡدِہِ الۡمَسِیۡحِ الۡمَوۡعُوۡد


*Office of The Sadr Majlis Ansarullah Bharat*

دفتر صدر مجلس انصار اللہ بھارت

Ph. +91-01872-220186, Fax, +91-01872-224186, Mob, +91-9815494687, E-Mail: ansarullahbharat@gmail.com


**सारांश खुत्बः जुम्अः सैय्यदना हज़रत अमीरुल मोमिनीन ख़लीफ़तुल मसीहिल अलख़ामिस अय्यदहुल्लाहु तआला बिनस्रिहिल अज़ीज़ दिनांक 16.11.18 मस्जिद बैतुल फ़तूह, मार्डन, लंदन।**

**हमारा काम है कि हम इस्लाम के वास्तविक सन्देश को अमरीका में भी तथा विश्व में भी मेहनत से और उचित ढंग से फैलाएँ**

# फ़लाडेफ़ियः, बाल्टीमूर तथा वर्जीनियः में तीन मस्जिदों और गोएटेमाला में ह्यूमिनिटी फ़र्स्ट के हस्पताल का उदघाटन तथा उसके उदघाटन समारोह में उपस्थित मेहमानों की ईमान वर्धक अभिव्यक्ति

तशह्हुद तअव्वुज़ तथा सूरः फ़ातिहः की तिलावत के पश्चात् हुज़ूर-ए-अनवर अय्यदहुल्लाहु तआला बिनस्रिहिल अज़ीज़ ने फ़रमाया-

पिछले जुम्अः को तहरीक-ए-जदीद के नए साल की घोषणा के कारण मैंने अमरीका और गोएटेमाला की जो यात्रा की थी उसके सम्बंध में वर्णन नहीं किया था। अल्लाह तआला की कृपा से इन दौरों के बड़े सकारात्मक परिणाम होते हैं अपनों तथा ग़ैरों की दृष्टि से भी तथा जमाअती प्रबन्ध की दृष्टि से भी सीधे सम्पर्क से अनेक बातें मेरे जानकारी में आ जाती हैं। तीन बड़े लाभ तो ये हैं कि इन देशों के शिक्षित वर्ग तथा प्रभाव शाली लोगों से सम्पर्क हो जाता है, भेंट के समय भी तथा मस्जिदों के उदघाटन अथवा समारोह इत्यादि में। दूसरे मीडिया के माध्यम से इस्लाम और अहमदियत का परिचय तथा इस्लाम की वास्तविक शिक्षा लोगों को पता चल जाती है तथा तीसरी बड़ी बात यह है कि जमाअत के लोगों से व्यक्तिगत सम्पर्क हो जाता है तथा इसके परिणाम स्वरूप उनके ईमान और श्रद्धा में वृद्धि होती है।

हुज़ूर-ए-अनवर ने फ़रमाया- अमरीका में इस यात्रा के समय अल्लाह तआला के फ़ज़्ल से तीन मस्जिदों के उदघाटन की तौफ़ीक़ मिली। बच्चों नौजवानों महिलाओं तथा पुरुषों ने जहाँ भी मैं जाता रहा हूँ अपने समय का अधिकांश भाग मस्जिद के वातावरण में ही व्यतीत किया है। एक प्रकार के सम्बंध की अभिव्यक्ति उनकी होती थी ख़िलाफ़त के साथ और फिर मस्जिद आकर अधिकतर समय वे मस्जिद में ही व्यतीत करते थे।

हुज़ूर-ए-अनवर ने फ़रमाया- साधारणत्या अमरीकन राजनेता भी, शिक्षित वर्ग भी तथा साधारण लोग भी बात सुनने वाले और अच्छी बात की सराहना करने वाले हैं। इस्लाम की वास्तविक शिक्षा उन तक पहुंची नहीं, जिन लोगों तक पहुंची है, जिनका जमाअत के साथ सम्पर्क है वे इस्लाम के विषय में अच्छी सोच रखते हैं। अतः यह हमारा काम है कि हम इस्लाम के वास्तविक सन्देश को अमरीका में भी तथा विश्व में भी मेहनत से और उचित ढंग से फैलाएँ। हमारे पैग़ाम से जहाँ ग़ैर मस्लिमों को इस्लाम की शिक्षा का पता चलता है वहाँ ग़ैर अज़-जमाअत मुसलमानों को भी पता चलता है कि वास्तविक इस्लाम क्या है। यह अधिकांशतः अनुभव होता है तथा अमरीका में भी हुआ कि ग़ैर अज़-जमाअत मुसलमान जब हमारे से इस्लाम की सुन्दर शिक्षा के बारे में सुनते हैं तो उनमें साहस पैदा होता है कि हमें किसी प्रकार की हीन भावना की आवश्यकता नहीं है बल्कि इस्लाम ही विश्व की समस्याओं का समाधान है। कुछ ग़ैर अज़-जमाअत मुसलमान इस बात की अभिव्यक्ति करते हैं कि इस्लाम की सुन्दर शिक्षा जिस प्रकार आप पेश करते हैं, यही वास्तविक रूप है।

हुज़ूर ए अनवर ने कुछ मेहमानों के ईमान वर्धक वृत्तांत बयान फ़रमाए। फ़रमाया- फ़लाडैलफ़ियः में मस्जिद बैतुल आफ़ियत के उदघाटन पर ऑनर ऐबिल डवाईट एवयूज़ मेम्बर यू एस कांग्रेस आए हुए थे, उन्होंने बड़े अच्छे शब्दों में मुझे कहा कि मैं आपका स्वागत कर रहा हूँ इस महा नगर में, ये नगर जो बहिन भाईयों जैसी मुहब्बत का नगर है फ़लाडेलफ़ियः प्रशासन की ओर से मैं एक मुसलमान कम्यूनिटि को कहना चाहता हूँ कि हम आप लोगों के शांति सन्देश का यहाँ अभिनन्दन करते हैं। हम आप लोगों के साथ हैं, घृणा, द्वेष और हिंसा के विरुद्ध खड़े हैं। आपने शांति स्थापित करने के विषय में बड़ा ही उत्तम सन्देश दिया तथा ऐसे दौर में यह सन्देश बड़ा प्रभावकारी है इससे प्रमाणित होता है कि मुस्लिम कम्यूनिटी न केवल अमरीका अपितु पूरे विश्व के लिए कितनी महत्त्व पूर्ण है।

फिर मेयर जॉन केनी ने कहा कि फ़लाडेलफ़ियः के इतिहास से पता चलता है कि धार्मिक स्वतंत्रता इस नगर के मूल सिद्धांतों में से है यह नगर इसी आधार पर निर्मित किया गया था। हमारा सम्बंध निस्सन्देह विभिन्न क़ौमों तथा नस्लों से हो किन्तु यह नगर प्रत्येक का स्वागत करेगा। हम एक दूसरे के साथ मिल जुल कर काम करें, एक दूसरे के साथ आदर सम्मान का व्यवहार करें तथा दुनिया को यह बताएँ कि हम एक साथ मिलकर रह सकते हैं और हम अपनी समस्याओं का निवारण कर सकते हैं।

एक लोकल कौन्सलर ने कहा कि आपका अमन का पैग़ाम अत्यंत आवश्यक था विशेष रूप से आज की परिस्थितियों में यह पैग़ाम और भी अधिक महत्त्व पूर्ण हो गया है। जो पैग़ाम आपने दिया है कि आप लोग पड़ौसियों की समस्याओं में उनके कंधे से कंधा मिलाकर खड़े होंगे, मेरे विचार में केवल यहाँ फ़लाडेलफ़ियः ही में नहीं, पूरे अमरीका में इस सन्देश को पहुंचाने की आवश्यकता है।

हुज़ूर-ए-अनवर ने फ़रमाया- फिर बाल्टीमूर मस्जिद का भी उदघाटन हुआ जिसका नाम बैतुस्समद है। बाल्टीमूर की मेयर समारोह में आई थीं। ये कहती हैं कि आपने अमन के बारे में बात की है यह वह सन्देश है जो आज समय की आवश्यकता है। न केवल हमारे नगर में बल्कि हमारे स्टेट तथा फिर समस्त यू एस ए तथा पूरे विश्व में इस सन्देश की बड़ी आवश्यकता है। मैं समझती हूँ कि यह सन्देश प्रत्येक को सुनना चाहिए यदि हम सूनेंगे तो हमें ज्ञात होगा कि विश्व की समस्या का केवल एक समाधान शांति ही है तथा हम एक दूसरे से प्रेम करना सीखें।

एक यूनीवर्सिटी के प्रोफ़ेसर ने कहा कि यह एक अदभुत सन्देश था जिसके द्वारा हम समाज में महत्त्व पूर्ण परिवर्तन ला सकते हैं। यू एस ए के वातावरण में यह पैग़ाम बड़ा महत्त्व पूर्ण है, मुझे इस पैग़ाम ने बड़ा प्रभावित किया है।

फिर ज़िला 48 से स्टेट प्रतिनिधि थे, वे कहते हैं कि मैं अत्यधिक प्रभावित हुआ यह सन्देश सुनकर कि आपने हमें अपने दायित्वों की ओर ध्यान दिलाया। आपने हमें बताया कि प्रत्येक से प्रेम करो तथा किसी से घृणा न करो। यही वे बातें हैं जो हमें चाहिएँ। कहते हैं कि हम स्वयं प्रयास करके जितनी चाहे समाज सुधार की बातें कर लें उनका इतना प्रभाव नहीं होता जितना जमाअत अहमदिया के इमाम के आगमन से यहाँ हुआ है।

एक स्टेट प्रतिनिधि थे ज़िला 141 के बिलाल अली साहब, मुसलमान थे, कहते हैं कि आपने जो पैग़ाम दिया है उसकी गूँज यहाँ सभी लोगों में सुनाई दे रही है। परस्पर प्यार मुहब्बत, एकता एवं सद्भावना का वातावरण स्थापित करने में यह सन्देश बड़ा महत्त्व पूर्ण है। आपने अनेक समस्याओं का समाधान एक ही समय में बता दिया है। ये कहते हैं कि बाल्टीमूर में स्थिति का मुक़ाबला करने के लिए अहमदिया मुस्लिम जमाअत मैदान में आई है तथा समाज में एक सकारात्मक भूमिका निभाने के लिए अपने संकल्प को प्रकट किया है, ये बड़ा ही अनुसरणीय नमूना है।

हुज़ूर-ए-अनवर ने फ़रमाया- फिर वर्जीनियः की मस्जिद का उद्घाटन हुआ तथा उसका नाम मस्जिद मसरूर है। यहाँ एक दोस्त कोरी स्टूवॉर्ट जो कि यू एस सैनट के रिपब्लिकन उम्मीदवार हैं, वे कहते हैं कि मैंने जो सम्बोधन सुना यह सुन्दर एवं विवेक पूर्ण था अमरीका को तथा पूरे विश्व को मुहब्बत सबके लिए नफ़रत किसी से नहीं का सन्देश ध्यान पूर्वक सुनना चाहिए तथा उसके अनुसार काम करना चाहिए विशेष रूप से जबकि दुनिया के हालात अच्छे नहीं हैं यह अत्यंत आवश्यक है कि धार्मिक स्वतंत्रता का प्रचार करें इस लिए यह मस्जिद हमारे लिए गर्व पूर्ण है क्यूँकि आप लोग इस देश के

लिए बहुत कुछ करते हैं।

एक मेहमान एलक्स केसे कहते हैं कि मैं बड़ा प्रभावित हुआ हूँ, आपका सन्देश बड़ा प्रभावकारी था, एक एक शब्द मेरी आत्मा को प्रभावित कर रहा था।

एक महिला शिनन साहिबा, न्यू जर्सी में सर्जिकल कोआर्डीनेटर हैं, कहती हैं कि इस्लाम की सुन्दर शिक्षा के विषय में मेरा भी यही दृष्टि कोण है कि कुछ लोगों के अनुचित कर्मों के कारण पूरे धर्म को दोषी मानना अपने आप में अत्याचार से कम नहीं है।

एक महिला नौरेन साहिबा, अपने विचार व्यक्त करते हुए कहती हैं- मुझे बड़ी प्रसन्नता है कि मुझे भी यहाँ आमन्त्रित किया गया। मुझे यहाँ आकर अहमदिया मुस्लिम जमाअत के बारे में बहुत कुछ जानने का अवसर मिला। मस्जिद इस क्षेत्र में सुन्दर वरदान है इस लिए मुझे कोई आशंका नहीं है, ये शांति पूर्ण स्थान है।

हुज़ूर-ए-अनवर ने फ़रमाया- इन मस्जिदों के उदघाटन के अतिरिक्त, जैसा कि अधिकांश लोग जानते हैं कि गोएटेमाला में ह्यूमिनिटी फ़र्स्ट का हस्पताल खोला गया है, उसका उदघाटन भी था। एक पार्लिमैन्ट के सदस्य ने बड़े विचार अभिव्यक्त किए और जमाअत के प्रति आभार प्रकट किया कि जमाअत हमारे देश में अस्पताल खोल रही है तथा समाज में एक प्रकार का प्रेम एवं एकता पैदा करने का प्रयास कर रही है।

रॉबर्ट केनू साहब, शिक्षा उपमंत्री पैरागोए ने कहा कि बड़ा अच्छा समारोह था। मैं हैरान हूँ कि एक ऐसी जमाअत है कि जिसके सदस्यों ने आपस में मिल कर इसको पूरा किया है। यह सब कुछ दुर्बल लोगों की सहायता के लिए तथा इंसानों से प्यार और मुहब्बत की अभिव्यक्ति है। फिर कहते हैं कि इंसानियत यदि यही प्यार का रास्ता अपनाएगी तो दुनिया में अमन स्थापित होगा।

गोएटेमाला के एक पत्रकार ने कहा कि जिस बात ने सर्वाधिक प्रभावित किया वह यह है कि धर्म में कोई ज़ोर ज़बरदस्ती नहीं है अपितु यह भी कि एक दूसरे का ध्यान रखना चाहिए और यही सन्देश जमाअत अहमदिया के इमाम ने हमें दिया तथा यह भी कि हम सब बराबर के अधिकार रखते हैं प्रत्येक को एक अच्छा जीवन स्तर मिलना चाहिए।

हुज़ूर-ए-अनवर ने फ़रमाया- गोएटेमाला में रिव्यू ऑफ़ रिलीजंस के स्पेनिश संस्करण को भी जारी किया गया। जब स्पेन की ओर हमारा ध्यान गया तो गोएटेमाला के हमारे एक बड़े निष्ठावान अहमदी हैं डेविड साहब, कहने लगे कि आपका ध्यान स्पेन की ओर तो है कि इस्लाम वहाँ फैलाना है जिसकी आबादी केवल चालीस मिलयन है जबकि हमारे देश की आबादी चार सौ मिलयन है इस ओर ध्यान नहीं है आपका। इसके बाद से नियमानुसार फिर वहाँ भी मिशनों की ओर भी ध्यान दिया गया तथा जामिअः के विद्यार्थियों को वहाँ भेजना शुरु किया गया अब अल्लाह तआला की कृपा से वहाँ जमाअतें स्थापित हो रही हैं।

हुज़ूर-ए-अनवर ने फ़रमाया- गोएटेमाला में विभिन्न पड़ौसी देशों के अहमदी भी शामिल हुए थे उनकी भी बड़ी भावुक अभिव्यक्तियाँ हैं जो पहली बार ख़लीफ़-ए-वक़्त को मिले हैं और ख़िलाफ़त से मुहब्बत उनकी आँखों से तथा उनके दिलों से फूटी पड़ रही थी।

एक नौमुबाय महिला लायरे मालदे साहिबा कहती हैं कि मैं रूहानी तथा भावात्मक रूप से बड़ा संतोष एवं शांति अनुभव कर रही हूँ दूसरे देशों के अहमदी बहिन भाईयों से मिलकर ईमान ताज़ा हुआ और सबसे बढ़कर ख़लीफ़-ए-वक़्त के पीछे नमाज़ें अदा करके मेरा ईमान अल्लाह तआला और अहमदियत पर और अधिक पक्का हो गया है मेरी इच्छा है कि मैं इस रास्ते पर सुदृढ़ रहूँ, अल्लाह करे कि ऐसा ही हो।

एक नौमुबाय ईवान फ्रांसिसको साहब कहते हैं कि बैअत के समय एक क्षण ऐसा भी था जो शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता, उस क्षण मुझे शारीरिक रूप से यह अनुभव हुआ जैसे मेरा पूरा शरीर गर्म हो गया है और मेरे पसीने छूटने लगे और ऐसा लगा जैसे एक करन्ट मेरे शरीर में दौड़ रहा है और जाते जाते अपने साथ मेरे सारे पाप भी ले गया है। ख़ुदा तआला का लाख लाख शुक्र है कि उसने हमें ख़िलाफ़त प्रदान की है, मैं जानता हूँ कि यह मेरे लिए अच्छाई की ओर बढ़ने

का प्रथम चरण है और मेरे भीतर एक बदलाव लाएगा।

एकवाडोर के एक नौमुबाय कहते हैं कि ख़लीफ़-ए-वक़्त की उपस्थिति में मुझे एक बहुमूल्य ख़ज़ाना प्रदान हुआ तथा रूहानियत, अमन, ख़ुशी तथा प्रफुल्लता की भावनाएँ मेरे भीतर समा गईं, मुझे बड़ी शांति प्राप्त हुई। बैअत के समय जब आपने अपना पवित्र हाथ मेरे हाथ पर रखा तो यह एक ऐसा सौभाग्य था जो मुझे इससे पहले कभी प्राप्त नहीं हुआ।

फिर गोएटेमाला के एक नौमुबाय सुलेमान रदूद साहब कहते हैं कि ख़लीफ़तुल मसीह का गोएटेमाला आना हमारे लिए बड़े सौभाग्या की बात है, हमारी जमाअत पर अल्लाह तआला का फ़ज़्ल है कि आप यहाँ आए। जब हमें पता लगा कि आप गोएटेमाला आ रहे हैं तो हमारी प्रसन्नता की सीमा नहीं रही, मेरे अन्दर एक रूहानी सुदृढ़ता उत्पन्न होने लगी तथा इसमें कोई सन्देह नहीं कि अब मैंने अपने भीतर बड़ा परिवर्तन अनुभव किया है।

फिर गोएटेमाला के एक साहब डोमेन्टी ओल ने बड़े भावुक शब्दों में मुझे कहा कि हमारे क्षेत्र में निर्धन लोग हैं, बड़ा विस्तृत क्षेत्र है तथा सड़कें इत्यादि भी नहीं हैं, दुआ करें मेरी जाति के लोग भी अहमदी मुसलान बनें और जो अल्लाह तआला की कृपा मुझ पर हुई है वह मेरी क़ौम में भी पहुंचे। बड़े भावुक अंदाज़ में उन्होंने इस प्रार्थना के साथ कहा। अल्लाह तआला करे कि वहाँ भी जमाअतें फैलें।

मैक्सिको के एक नौमुबाय फ़यूज़ ख़सूस साहब कहते हैं कि जमाअत से सम्बंध बनाना एक बहुत बड़ा इनाम है, मेरा यह सौभाग्य है कि अल्लाह तआला ने मेरी दुआएँ सुनीं, मैं अन्धेरे में था अल्लाह तआला मुझे तथा मेरी फ़ैमली को रौशनी की ओर लेकर आया और मुझे अपने जीवन में परिवर्तन लाने का अवसर मिला।

तेरह चौदह साल की एक बच्ची ने कहा कि पहले मुझे डर था कि कोई ऐसी बात न कह दूँ ख़लीफ़ ए वक़्त के सामने जिसके कारण मुझे लज्जित होना पड़े, किन्तु मुलाक़ात बड़ी अच्छी रही। ख़िलाफ़त का आदर सम्मान उनमें अत्यधिक है।

हुज़ूर-ए-अनवर ने फ़रमाया- इसी प्रकार और अनेक महिलाएँ तथा पुरुष हैं जो भिन्न भिन्न देशों से आए हुए थे तथा बड़ी निष्ठा एवं श्रद्धा की उनकी अभिव्यक्ति थी। अल्लाह तआला सबकी निष्ठा एवं वफ़ा में वृद्धि करता चला जाए तथा उन्हें वास्तविक अहमदी बनाए।

हुज़ूर-ए-अनवर ने मीडिया क्वरेज के बारे में जानकारी देते हुए फ़रमाया- अमरीका में टी वी के माध्यम से कुल अट्ठाईस लाख उन्हत्तर हज़ार से अधिक लोगों तक पैग़ाम पहुंचा। रेडियो प्रोग्राम के माध्यम से कुल तरेप्पन लाख अट्ठानवे हज़ार से अधिक लोगों तक सन्देश पहुंचा। डिजिटल फ़ॉर्म वैब साईटस तथा सोशल मीडिया के द्वारा बीस लाख लोगों तक सन्देश पहुंचा। समाचार पत्रों में कुल 45 आर्टिकल प्रकाशित हुए जिनसे लगभग 10 मिलयन से अधिक लोगों तक पैग़ाम पहुंचाया गया।

एक अनुमान के अनुसार लैटिन अमरीका के विभिन्न देशों के प्रिन्ट मीडिया तथा विभिन्न समाचार पत्रों तथा टेलीवीज़न चैनल्ज़ के माध्यम से लगभग 32 मिलयन लोगों तक नासिर अस्पताल के उद्घाटन समारोह समाचार के माध्यम से इस्लाम का पैग़ाम पहुंचा। अल्लाह तआला की कृपा से हर एक दृष्टि से यह दौरा बड़ा बरकत वाला एवं सफल था, अल्लाह तआला भविष्य में भी इसके नेक परिणाम पैदा फ़रमाए।

ख़ुत्बः जुम्अः के अन्त में हुज़ूर-ए-अनवर अय्यदहुल्लाहु तआला बिनस्रिहिल अज़ीज़ ने मुकर्रम इसमाईल साहब के सद्गुणों का वर्णन फ़रमाया और जुम्अः की नमाज़ के बाद इनकी नमाज़ ए जनाज़ा ग़ायब पढ़ाई।



**TOLL FREE NO: 180030102131**